

# राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण, जयपुर

अपील संख्या :-1109 / 2025

नरेन्द्र सिंह गुर्जर

—अपीलार्थी

## बनाम

1. प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, जयपुर।
2. निदेशक (अराजपत्रित), चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं एवं अतिरिक्त निदेशक (प्रशासनिक) एवं पंचायत राज (चिकित्सा) विभाग, जयपुर।
3. अतिरिक्त निदेशक (प्रशासनिक) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं एवं अतिरिक्त निदेशक (प्रशासनिक) एवं पंचायत राज (चिकित्सा) विभाग, जयपुर।
4. मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, सवाई माधोपुर।
5. खण्ड मुख्य चिकित्सा अधिकारी, बॉली, जिला सवाई माधोपुर।
6. चिकित्सा अधिकारी प्रभारी, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, बॉली, जिला सवाई माधोपुर।

—प्रत्यर्थागण

प्रस्तुतिकरण की दिनांक : 21.01.2025

आदेश की दिनांक : 17.02.2025

## उपस्थित —

अपीलार्थी की ओर से : श्री राजकुमार कसाना, अधिवक्ता  
प्रत्यर्थागण की ओर से : श्री संजीव सिंघल, केवियटर

समक्ष :- चेतन राम देवडा, सदस्य

लेखराज तोसावड़ा, सदस्य

## आदेश

1. मामले की आवश्यक प्रकृति को देखते हुए राजस्थान सिविल सेवा (सेवा मामलों के लिए अपील अधिकरण) अधिनियम, 1976 की धारा 4ए के उपबन्ध में शिथिलता प्रदान करते हुए उक्त अपील की सुनवाई की गई।
2. अपीलार्थी के विद्वान अधिवक्ता ने अपील में वर्णित तथ्यों को दोहराते हुए कथन किया है कि अपीलार्थी वर्तमान में नर्सिंग अधिकारी के पद पर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बापूई, ब्लॉक, बॉली, जिला सवाई माधोपुर में कार्यरत है। प्रत्यर्थागण के आदेश दिनांक 15.01.2025 (अनुलग्नक-1) के द्वारा अपीलार्थी का स्थानान्तरण वर्तमान पदस्थापन स्थान से उप जिला चिकित्सालय, देचु, फलौदी जिला जोधपुर में 600 कि.मी. दूर किया गया है। प्रत्यर्थागण के आदेश दिनांक 20.07.2022 (अनुलग्नक-2) के द्वारा अपीलार्थी को प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बापूई, बॉली जिला सवाई माधोपुर में अपीलार्थी का पदस्थापन किया गया था। अपीलार्थी के विद्वान अधिवक्ता का

आगे कथन है कि अपीलार्थी का नाम आलोच्य आदेश में गलत दर्शाया गया है। अपीलार्थी का नाम नरेन्द्र सिंह गुर्जर है, जबकि प्रत्यर्थी विभाग द्वारा अपीलार्थी का स्थानान्तरण नरेन्द्र सिंह दर्शाते हुए किया गया है, जो विधिसम्मत नहीं है। अपीलार्थी का स्थानान्तरण नियम-2011 के नियम 8 (iii) का उल्लंघन करते हुए जारी किया गया है। अपीलार्थी का स्थानान्तरण पंचायत राज विभाग से अनुमति लिए बिना ही जिले से बाहर कर दिया गया है, जो अनुचित एवं विधि-विरुद्ध है। अपीलार्थी के स्थान पर किसी भी कार्मिक को नियुक्त नहीं किया गया है। वर्तमान में पद रिक्त है। अपीलार्थी का एक नाबालिक बच्चा है, जो बॉली में अध्ययनरत है। अपीलार्थी के माता-पिता काफी वृद्ध हैं। उनकी देखभाल अपीलार्थी के द्वारा ही की जाती है। उनकी देखभाल करने वाला परिवार में अपीलार्थी के अलावा अन्य कोई व्यक्ति नहीं है। अतः अपील अपीलार्थी स्वीकार फरमाई जाकर प्रत्यर्थी विभाग के आदेश दिनांक 15.01.2025 को अपीलार्थी की सीमा तक अपास्त फरमाया जावे एवं प्रत्यर्थी विभाग को निर्देशित करे कि अपीलार्थी को वर्तमान नर्सिंग अधिकारी, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र बापूई, ब्लॉक, बॉली, जिला सवाई माधोपुर में निरन्तर कार्य करने दिया जावे।

3. हमने अपीलार्थी के अधिवक्ता की बहस सुनी तथा पत्रावली पर उपलब्ध तमाम अभिलेख का अनुशीलन कर मनन किया।
4. अतः उपरोक्त तथ्यों को देखते हुए हस्तगत अपील में न्यायाहित में अपीलार्थी को निर्देश दिये जाते हैं कि वे अपने सक्षम अधिकारी के समक्ष एक अभ्यावेदन इस आदेश की दिनांक से 2 सप्ताह में प्रस्तुत करें तथा प्रत्यर्थी विभाग को यह निर्देश दिया जाता है कि अपीलार्थी के द्वारा प्रस्तुत अभ्यावेदन को प्राप्त होने की दिनांक से 2 सप्ताह में अभ्यावेदन पर आख्यात्मक आदेश पारित कर अपीलार्थी को सूचित करें। प्रत्यर्थी विभाग द्वारा उक्त अभ्यावेदन का निस्तारण नहीं किये जाने तक अपीलार्थी के सम्बन्ध में पारित आलोच्य आदेश दिनांक 15.01.2025 (अनुलग्नक-1) का क्रियान्वयन (Operation) अपीलार्थी की सीमा तक स्थगित रहेगा एवं साथ ही यह स्पष्ट किया जाता है कि अपीलार्थी को वहीं कार्यरत रखा जावे जहां वह चुनौती आदेश पारित किये जाने से पूर्व कार्यरत था।
5. यहां यह स्पष्ट किया जाता है कि उक्त निर्देशों की पालना अपीलार्थी द्वारा नहीं किये जाने पर यह स्थगन आदेश स्वतः ही निष्प्रभावी हो जावेगा।

6. अतः उक्त अपील, मय स्थगन प्रार्थना पत्र, ग्राह्यता के प्रक्रम पर ही उपर्युक्त निर्देश के साथ अन्तिम रूप से निस्तारित की जाती है।

(लेखराज तोसावड़ा)  
सदस्य

(चेतन राम देवड़ा)  
सदस्य